हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था

Class 5. 30-7-2021	https://youtu.be/qNSiC1KIIKs

टिप्पणीकार **कवि**

नरेश सक्सेना
जन्म : 16 जनवरी 1931
ग्वालियर (मध्यप्रदेश)

नरेश सक्सेना समकालीन हिंदी साहित्यक्षेत्र के विलक्षण कवि हैं। संप्रति कविताओं के अतिरिक्त नाटक, फिल्म, संपादन के क्षेत्र में भी आप सक्रियता से महत्वपूर्ण कार्य करते रहते हैं। समुद्र पर हो रही है बारिश (कविता संग्रह),आदमी का आ (नाटक) आदि आपकी प्रमुख रचनाएँ हैं। साहित्य के लिए आपको 2000 का पहल सम्मान मिला है तथा निर्देशन के लिए 1992 में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी।

विनोद कुमार शुक्ल
जन्म: 1 जनवरी 1937 (मध्यप्रदेश)

आप समकालीन हिंदी साहित्य क्षेत्र में कवि और कथाकार के रूप में विख्यात हैं। सब कुछ होना बचा रहेगा, वह आदमी चला गया, नया गरम कोट पहनकर विचार की तरह, लगभग जयहिंद आदि आपके काव्य संग्रह हैं। खिलेगा तो देखेंगे तथा दीवार में एक खिड़की रहती थी दोनों आपके उपन्यास हैं। मध्यप्रदेश शिखर सम्मान (1995), मैथिली शरण गुप्त राष्ट्रीय सम्मान (1996) आदि से आप सम्मानित हुए हैं।

हताशा = निराशाനിരാശ
सहानुभूति = Sympathy
समानुभूति = Empathy
मौलिक = जो किसी का अनुकरण न करके अपनी ही कल्पना के अनुसार लिखी हो। Original
मौलिकता = मौलिक होने का भाव Originality
अनगढ़ता = स्वाभाविकता

दरकार = ज़रुरत ആവശ്യം

हताशा से एक व्यक्ति बैठ गया था

व्यक्ति को मैं नहीं जानता था

हताशा को जानता था

इसलिए मैं उस व्यक्ति के पास गया

मैंने हाथ बढ़ाया

मेरा हाथ पकड़कर वह खड़ा हुआ

1. व्यक्ति कैसे बैठ गया था ?

व्यक्ति हताशा से बैठ गया था

2. उस व्यक्ति को कवि जानते थे ?

3. उस व्यक्ति को कवि नहीं जानते थे।

4. कवि उस व्यक्ति के बारे में क्या जानते थे ?

कवि उस व्यक्ति की हताशा अथवा निराशा को जानते थे।

5. हताश व्यक्ति को देखकर कवि ने क्या किया ?

हताश व्यक्ति को देखकर कवि ने उस अपरिचित व्यक्ति के पास गया।और उसका हाथ पकड़ा।

6. तब उस अपरिचित व्यक्ति ने क्या किया ?

उस अपरिचित व्यक्ति ने कवि का हाथ पकड़कर खड़ा हो गया।

7. क्या , वह निराश व्यक्ति कवि को जानता था ?

निराश व्यक्ति कवि को नहीं जानता था।पर वह व्यक्ति कवि की सहायता चाहता था।

8. क्या, दोनों एक दूसरे को जानते थे ?

दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे। साथ चलने को जानते थे।

मुझे वह नहीं जानता था ।

हम दोनों साथ चले

दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे

साथ चलने को जानते थे।

9. कवि ने किसको देखा ?

कवि ने अपरिचित व्यक्ति को देखा।

10. वह व्यक्ति कैसे बैठा था ?

वह व्यक्ति निराश होकर बैठा था।

11. उस निराश व्यक्ति को देखकर कवि ने क्या किया ?

उस निराश व्यक्ति को देखकर कवि ने उसकी ओर हाथ बढ़ाया।

12. कवि ने उस अपरिचित व्यक्ति के सामने क्यों हाथ बढ़ाया ?

कवि ने उस निराश व्यक्ति को सहायता करने केलिए उसकी ओर हाथ बढ़ाया।

13. दोनों एक दूसरे को नहीं जानते थे। साथ चलने को जानते थे। इसका मतलब क्या है ?

हमें किसी भी निराश या संकट में पड़े व्यक्ति की सहायता ज़रूर करनी चाहिए।

14. कविता में कवि का कौन-सा मनोभाव प्रकट होता है ?

मनुष्य में मनुष्यता का बोध होना अनिवार्य है।

15.टिप्पणी के लेखक कौन है ?

नरेश सक्सेना

16. कवि का नाम क्या है ?

विनोदकुमार शुक्ल

विनोद कुमार शुक्ल अपनी मौलिकता के साथ ही भाषा की अनगढ़ता के लिए विख्यात हैं। किंतु इस कविता में मौलिक होने के साथ ही वे काव्य शिल्प के सिद्ध कवि की तरह भी दिखाई देते हैं।

सबसे पहले नरेश सक्सेना ने विनोद कुमार शुक्ल की कविता की कुछ खूबियाँ और विशेषताओं का वर्णन किया है:-

17. विनोद कुमार शुक्ल की कविताओं की प्रमुख विशेषताएँ बताएँ।

- विनोद कुमार शुक्ल की कविताएँ मौलिक है।
- अनगढ़ता अथवा स्वाभाविकता उनकी भाषा की विशेषता है।
- वे काव्य शिल्प के सिद्ध कवि भी है।

18. विनोद कुमार शुक्ल काव्य शिल्प के सिद्ध कवि है। टिप्पणी में यह किसने कहा ?

श्री नरेश सक्सेना।

कविता के अर्थ इतने सहज और साफ़ हैं कि उन्हें व्याख्या की दरकार नहीं है। सरल शब्दोंवाले वाक्य स्वयं ही अपना मर्म कह देते हैं।

19. कविता की विशेषताएँ क्या-क्या है ?

कविता के अर्थ इतने सहज और साफ़ हैं कि उन्हें व्याख्या की दरकार नहीं है।

20. कवि ने अपरिचित व्यक्ति को किस दृष्टि में देखा ?

हताश या निराशा की स्थिति में।

21. कवि पहले उसे जानते थे ?

नहीं , कवि पहले उस निराश व्यक्ति को नहीं जानते थे।

22. उस निराश व्यक्ति के पास जाकर कवि ने क्या किया ? क्यों ?

कवि ने उस निराश व्यक्ति की ओर हाथ बढ़ाया। क्योंकि वे उसे सहायता करना चाहते थे।

23. दोनों साथ-साथ चलने लगे। क्या वे परिचित थे ?

नहीं , दोनों अपरिचित थे।

24. हम दोनों साथ चले।कौन-कौन ?

कवि और हताश व्यक्ति।

25. टिप्पणीकार का नाम क्या है ?

श्री नरेश सक्सेना।

26. व्यक्ति को न जानने पर भी कवि ने उसकी मदद के लिए हाथ बढ़ाया। इससे हमें कौन-सा संदेश मिलता है ?

Prepared by : MOHAMED ALI.K, MES HSS IRIIMBILIYAM, PH: 9895361234